पाठ 1. धनी मधुर मुसकान के

मौखिक कार्य

(क) 1. बच्चे बाधाओं को उनके कान मरोड़कर चिढ़ाते हैं।
2. बच्चे अच्छे काम करते रहने की आदत से मजबूर हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. बच्चे जीवन में आने वाले तूफ़ानों का सामना साहस से करते हैं।
2. बच्चे झगड़ा करने वालों से दूर रहते हैं।
3. बच्चे मधुर मुसकान के धनी हैं।
4. बच्चे देशहित में अपना जीवनदान करना चाहते हैं।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख)

(घ) 1. बाधाओं को खूब चिढ़ाते
उनके कान मरोड़कर।
2. श्रम करके हम खुद ही
अपनी राह बनाएँगे।
3. अच्छा काम सदा करने की
आदत से मजबूर हैं।

(ङ) 1. उठाना 2. सरल 3. प्रेम 4. बुरा 5. कटु 6. भला

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

(छ) 1. तूफ़ान 2. चिढ़ाते 3. कठिन 4. रुख 5. सीना 6. मधुर

रचनात्मक कार्य

(ज) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों को प्रेरणा मिलेगी तथा उनका बहुमुखी विकास होगा।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को जानकारी उपलब्ध कराएँ।
- बच्चों को महान व्यक्तियों के चित्र दिखाएँ।
- बच्चों को महान व्यक्तियों के जीवन के बारे में बताएँ।

पाठ 2. नटखट मंगरू

मौखिक कार्य

(क) 1. मंगरू की बुरी आदत थी कि वह किसी का कहना नहीं मानता था।
2. जंगल में अचानक आसमान में बादल छा गए और मूसलाधार बारिश होने लगी।
3. मंगरू एक पेड़ के खोखले तने में जाकर छिप गया था।
4. मंगरू ने सियारों की आवाज़ सुनी।

लिखित कार्य

(ख) 1. मंगरू स्वभाव से नटखट व चंचल था।
2. एक दिन मंगरू अँधेरा होते ही अपनी माँद से निकलकर जंगल में अकेले घूमने चल पड़ा।
3. अचानक आसमान में घनघोर घटाएँ छा गईं और मूसलाधार बारिश होने लगी। इसी कारण मंगरू अपने घर नहीं पहुँच पाया।
4. मंगरू के माता-पिता ने सियारों की पंचायत बुलाकर मंगरू को ढूँढ़ने की प्रार्थना की।
5. मंगरू ने प्रण किया कि वह कभी मनमानी नहीं करेगा और अपने माता-पिता का कहना भी मानेगा।
6. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. नटखट 2. बादल 3. जंगल 4. जानवर 5. पेड़ 6. मनमानी

(ङ) बच्चों को 'र' में उ (ु) तथा ऊ (ू) की मात्रा का प्रयोग करना सिखाएँ।
- बच्चों को बताएँ कि 'उ' व 'ऊ' की मात्रा का प्रयोग बीच में होता है।
- अभ्यास में दिए शब्दों को मात्रासहित श्यामपट्ट पर लिखें।
1. मंगरू 2. सूरज 3. तूफ़ान 4. बुरी 5. ढूँढ़ना
6. घूमना 7. हुआँ 8. रुकना 9. डूबना

(च)

जंगल	वन
सूरज	सूर्य
आसमान	आकाश
बारिश	वर्षा
माता	माँ
पेड़	वृक्ष

(छ) बच्चों से मौखिक वाक्य बनवाएँ। वाक्य छोटे हों तथा बच्चों के स्तर के हों।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे अपनी कल्पना से इन प्रश्नों के उत्तर दें।
- बच्चों को अपने भावों को अभिव्यक्त करना आना चाहिए।
- उन्हें अच्छे और सटीक शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ।
- अच्छे बालक में किन गुणों का होना ज़रूरी है, उन्हें समझाएँ।

पाठ 3. स्वस्थ शरीर

मौखिक कार्य

(क) 1. स्वस्थ मस्तिष्क स्वस्थ शरीर में बसता है।
2. सूरज की किरणों से हमारा शरीर स्वस्थ और फ़ुर्तीला रहता है।
3. नहाने के लिए शरीर पर पानी डालने के अलावा साबुन का प्रयोग भी करना चाहिए।
4. यदि पाठ में बताई गई बातों का ध्यान रखेंगे तो हम स्वस्थ और सुखमय जीवन बिता सकेंगे।

लिखित कार्य

(ख) 1. अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमें ताज़ी हवा, सूरज की रोशनी, साफ़-सफ़ाई, संतुलित भोजन, अच्छी नींद और व्यायाम की आवश्यकता होती है।
2. ताज़ी हवा लेने के लिए हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारे रहने वाले कमरे पर्याप्त हवादार हों। फेफड़ों को ज़्यादा से ज़्यादा ताज़ी हवा मिल सके, इसके लिए हमें खुली जगह में व्यायाम करना चाहिए तथा कभी भी मुँह ढककर नहीं सोना चाहिए।
3. अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमें सदा सादा व संतुलित भोजन करना चाहिए। हमें भोजन में दाल, सब्ज़ी, फल, दूध आदि पर्याप्त मात्रा में लेने चाहिए।
4. नहाते समय साबुन का प्रयोग करने से हमारी त्वचा के छिद्र साफ़ हो जाते हैं। उनसे हमारे शरीर का पसीना बाहर आ सकता है। यह हमारे शरीर की गंदगी होती है। पसीने के बाहर आने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है।
5. घर के अलावा हमें अपने मोहल्ले, पाठशाला तथा कक्षा की सफ़ाई रखनी चाहिए।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क)

(घ) स्वास्थ्य से संबंधित इन वाक्यों पर कक्षा में चर्चा करें।
1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. गलत 6. सही

(ङ) 1. गहरा संबंध, अच्छा संबंध 2. ताज़ी हवा, ठंडी हवा
3. स्वस्थ शरीर, बीमार शरीर
4. सादा भोजन, संतुलित भोजन 5. सुखमय जीवन, दुखमय जीवन

(च) 1. संज्ञा 2. विशेषण 3. सर्वनाम 4. क्रिया 5. संज्ञा 6. विशेषण

(छ) 1. संतुलित 2. शरीर 3. व्यायाम 4. पर्याप्त

(ज) 1. अशुद्ध 2. अस्वस्थ 3. असंतुलित 4. गंदा

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे साफ़-सफ़ाई के महत्व को बताएँ।
- बीमारियाँ किस-किस प्रकार हो सकती हैं, यह बताएँ।
- बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, इसे भी स्पष्ट करें।
- दाँतों की सफ़ाई करना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को इसके बारे में समझाएँ। दाँतों की सफ़ाई न रखने पर पायरिया जैसी बीमारियाँ लग सकती हैं, यह भी बताएँ।

पाठ 4. ऐसे थे तिलक

मौखिक कार्य

(क) 1. अध्यापक महोदय कक्षा में पढ़ा रहे थे।
2. अध्यापक महोदय ने तिलक के सहपाठी से कहा कि तिलक ने अपना पाठ सुना दिया है इसलिए मैं समझता हूँ कि बातें तुम कर रहे थे, तिलक नहीं। अत: तुम खड़े हो जाओ।
3. स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।

लिखित कार्य

(ख) 1. तिलक कक्षा में अपने सहपाठी से बात करने में मग्न थे।
2. अध्यापक महोदय ने जब देखा कि वे दोनों बात कर रहे हैं तो उन्होंने दोनों को खड़ा करके उनसे पाठ के विषय में प्रश्न पूछे।
3. चूँकि तिलक ने अध्यापक के द्वारा पूछे गए प्रश्न का सही-सही उत्तर दे दिया था। अत: उन्होंने तिलक को दंड नहीं दिया।
4. तिलक ने अध्यापक को बताया कि एक बार सुनकर ही उन्हें पूरा पाठ याद हो जाता है।
5. अध्यापक महोदय ने तिलक को समझाया कि बुद्धिमान होने का यह अर्थ नहीं कि तुम दूसरों की पढ़ाई में अड़चन डालो।
6. देश की स्वतंत्रता के लिए उनके योगदान के कारण हम आज भी उन्हें याद करते हैं।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. तिलक फिर से खड़े हो गए। 2. क्षमा माँगी। 3. प्रसन्न हुए।

(ङ) 2. स्वार्थ, परमार्थ 3. वाक्य, क्यारी 4. प्रभात, प्रबल 5. जन्म, आजन्म

(च) 2. चंदा 3. डंडा 4. मंदिर 5. घंटी 6. संत

(छ) 1. सहपाठी 2. चालक 3. किसान 4. मज़दूर 5. कुम्हार

(ज) बच्चे कक्षा तीन में आ गए हैं। अत: थोड़े बड़े वाक्य बनाने में समर्थ हैं। वाक्य बच्चों के स्तर के हों, इसका ध्यान रखें। वाक्य पाठ से संबंधित न हों, इसका भी ध्यान रखें।

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे इस प्रश्न का उत्तर स्वयं दें।
- बच्चों को अपने अनुभव तथा भावों को अभिव्यक्त करने के लिए उन्हें इसका अभ्यास करना चाहिए।
- हमें ऐसे काम नहीं करने चाहिए जिससे दंड भुगतना पड़े।

पाठ 5. सियार और ऊँट

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चों से इस बारे में चर्चा करें।
   - बच्चों को अच्छी आदतों के बारे में बताएँ।
   - गंदी आदतों से बचने के बारे में बताएँ।
2. प्रत्येक बच्चा अपनी अच्छी आदतों के बारे में बताए। इससे दूसरे बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी।
   - बच्चे केवल पाँच पंक्तियाँ लिखें।
3. अध्यापक/अध्यापिका प्रत्येक बच्चे से उसके विचार जानें।
   - उन्हें अपने विचार अभिव्यक्त करने तथा दूसरों के विचार सुनने का अवसर दें।
   - अध्यापक/अध्यापिका स्वयं अपने विचार भी अभिव्यक्त करें।
   - बच्चों से जानें कि कहना मानने से क्या होगा और न मानने से क्या होगा।
4. बच्चों को अपने माता-पिता के बारे में बताने का अवसर दें।
   - बच्चे केवल दो अच्छी बातें लिखें।
   - इसे चर्चा का विषय न बनाएँ।
   - एक-दूसरे के विचार सुनकर बच्चों में तुलना का भाव आ सकता है।
   - बच्चों की भावनाओं को समझना अत्यावश्यक होता है।
5. स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है।
   - ऐसे ही कोई एक या दो उदाहरण बच्चों को कक्षा में सुनाएँ।
   - बच्चों से अपने घर पर अपने परिवार के लोगों से इस विषय पर बात करने को कहें।
6. बच्चों को सफ़ाई का महत्व समझाएँ।
   - सफ़ाई न करने की हानियाँ बताएँ।
   - बच्चों को भी अपनी बात कहने का अवसर दें।
7. बच्चे अपनी-अपनी तरह से इसका उत्तर देंगे।
   - वे अपने सहपाठियों के भी उत्तर सुनेंगे।
   - बहाने बनाने की प्रतिस्पर्धा भी कराई जा सकती है।
   - जो सबसे हास्यास्पद व रोचक बहाना बताए उसे विजयी घोषित किया जा सकता है।
8. बच्चे अपने प्रिय अध्यापक/अध्यापिका के बारे में लिखें।
   - वे उनकी विशेषता बताएँ।
   - ऐसा करने से वे अपने अध्यापक/अध्यापिका के और करीब आएँगे।
   - दूसरों में अच्छाई देखने की भावना उनमें जागृत होगी।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- बच्चों को अपने-आप छोटा-सा चित्र बनाने को कहें।
- बच्चे उसमें रंग भी भरें।
- बच्चों के कार्य की सराहना करें।

2. मांसाहारी जानवर – शेर चीता भालू बाघ भेड़िया मगरमच्छ सियार
   शाकाहारी जानवर – बकरी गाय हाथी घोड़ा हिरण खरगोश बैल गधा भैंस
   बच्चों को किन्हीं दो जानवरों के खान-पान की आदतों के बारे में भी बताएँ।
3. बच्चों को पत्र लिखने का अभी अभ्यास नहीं है। इससे बच्चे पत्र का नमूना जान पाएँगे। बच्चों को इसका अभ्यास करवाना आवश्यक है।
   बगीचे, फूल, पेड़, फ़व्वारा, झाड़ियाँ, नीला, पक्षी, गेट
4. इस क्रियाकलाप से बच्चों के सोचने की शक्ति बढ़ेगी। उनकी बुद्धि तीव्र होगी तथा उनका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा।
5. बच्चों द्वारा पुस्तिका में चिपकाए गए नेताओं के चित्रों से संबंधित जानकारी दें। इनके इतिहास तथा व्यक्तित्व की विशेषताओं के बारे में बताएँ। जैसे–
   महात्मा गांधी – सत्य और अहिंसा के पुजारी। सत्य और अहिंसा के बल पर अंग्रेज़ों को देश छोड़कर जाने पर मजबूर करने वाले।

पाठ 6. तितली

मौखिक कार्य

(क) 1. तितली फूलों पर इठलाती है।
2. तितली के पंख रंग-बिरंगे हैं और सोने से भी अधिक चमकीले हैं।
3. सुबह होते ही तितली उपवन में आ जाती है।
4. तितली कलियों को तरसाती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. तितली को फूलों से भी अधिक सुंदर बताया है।
2. कलियों के साथ खेलने-कूदने पर तितली को सुख प्राप्त होता है।
3. दिन में तितली फूलों पर मँड़राती है और यहाँ-वहाँ दौड़ लगाती है। कलियों के साथ खेलती-कूदती है। कभी इस डाली पर तो कभी उस डाली पर बैठती है। फूलों पर बैठकर बड़े प्रेम से मधु पीती है।
4. कवि उससे कहता है कि तुम थोड़ी देर के लिए ही सही, मेरे पास आओ। मैं तुम्हें बड़े प्रेम से रखूँगा।

(ग) 1. (ख) (2) (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) बच्चों से कविता कंठस्थ करवाएँ।
- ध्यान दें कि बच्चे सही पंक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।
- वर्तनी की अशुद्धि पर ध्यान दिलवाएँ।

(ङ) बच्चे जान गए हैं कि शब्द सार्थक वर्णों का योग है।
- बच्चों को शब्दों में आए वर्णों को अलग-अलग करने का अभ्यास कराएँ।
- इससे बच्चों की वर्तनी शुद्ध होगी।
- वे स्पष्ट उच्चारण भी सीखेंगे।

1. व् + अ + स् + त् + र् + अ
2. इ + ठ् + अ + ल् + आ + त् + ई
3. स् + अ + व् + ए + र् + आ
4. ध् + ऊ + म् + अ + ध + आ + म् + अ
5. त् + इ + त् + अ + ल् + ई

(च) 1. तुम्हारे 2. मेरे 3. उसका 4. मैं 5. तुम्हारे 6. तुम 7. वह

(छ) 2. चटकीले 3. रंगीले 4. कँटीले 5. भड़कीले 6. रसीले

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चों को अपनी कल्पना से इन प्रश्नों का उत्तर देने दें।
- पक्षी को उड़ते देख सभी बच्चे उड़ने की इच्छा रखते हैं।
- बच्चों को इस प्रश्न का उत्तर कक्षा में भी सुनाने को कह सकते हैं।
- बच्चे एक-दूसरे के स्वप्न को जानें कि वे पंख पाकर क्या करना चाहते हैं।
- बच्चों से प्रश्न सूची बनाने को भी कहें।

2. बच्चों से चित्र में रंग भरवाएँ।
- सावधानी से रंग भरने के लिए कहें।
- रंग संयोजन पर ध्यान दें।

पाठ 7. नया जीवन

मौखिक कार्य

(क) 1. सेठ श्यामलाल स्वभाव से दयालु थे।
2. सेठ जी ने पर्दे के पीछे एक परछाईं देखी।
3. दयाराम को स्वादिष्ट पकवानों की सुगंध आई थी।
4. सेठ श्यामलाल ने दयाराम को कुछ पैसे और भोजन दिया।
5. दयाराम सेठ जी के पास मिठाई लेकर आया।

लिखित कार्य

(ख) 1. सेठ श्यामलाल अपने जन्मदिन पर अपने मित्रों को निमंत्रण देते थे।
2. सेठ श्यामलाल अपना जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया करते थे। अपने जन्मदिन पर वे पूरे घर को सजवाते थे और तरह-तरह के पकवान बनवाते थे। उनके घर की सजावट और बनने वाले अनेक पकवानों की चर्चा पूरे नगर में होती थी।
3. दयाराम एक गरीब व्यक्ति था। दो दिन से उसके बच्चों ने कुछ नहीं खाया था और उसकी पत्नी भी बीमार थी इसलिए वह चोरी करने श्यामलाल के घर में घुसा था।
4. सेठ जी ने दयाराम को मेहनत व ईमानदारी से काम करने की सलाह दी।
5. दयाराम की सफलता का कारण सेठ श्यामलाल का विश्वास और उसके द्वारा किया गया अच्छा व्यवहार था। सेठ जी ने उसे सहारा देकर गलत राह पर आगे बढ़ने से रोका था।
6. दयाराम सेठ जी के पास मिठाई लेकर धन्यवाद करने गया था क्योंकि उन्होंने उसकी सहायता उस समय की थी जब वह गलत राह पर कदम रखने आगे बढ़ा था। यदि सेठ जी उसकी सहायता न करते तो शायद वह एक चोर बन गया होता।
7. कितनी भी मुसीबत क्यों न आ जाए, हमें चोरी नहीं करनी चाहिए। लगन तथा मेहनत से ही जीवन को सफल बनाना चाहिए।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. गलत 5. सही

(ङ) 2. चोरी 3. संबंधी 4. खुशी 5. बीमारी 6. सुखी

(च) 1. दुखी 2. आगे 3. पुराना 4. असफल 5. सुगंध 6. ईमानदार

(छ) व्यक्ति/प्राणी – बच्चे, पत्नी, दयाराम, श्यामलाल, चोर।
स्थान – नगर, घर, कमरे, बगीचा, दुकान।
वस्तु – अखबार, मिठाई, डिब्बा, पैसे, पकवान।

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

(झ) बच्चे सही और गलत में अंतर करना सीखेंगे।
- दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी बच्चों को याद करने को कहें।
- अन्य कठिन शब्दों के साथ श्रुतलेख करने को दें।

1. पकवान 2. धूमधाम 3. जन्मदिन 4. ईमानदारी
5. पत्नी 6. स्वादिष्ट

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. बच्चे इसमें यह न लिखें कि उन्होंने जन्मदिन कैसे मनाया बल्कि वे लिखें कि उस दिन ऐसी कौन-सी घटना घटी कि वे उसे कभी भुला नहीं पाएँगे।
- बच्चों को काल्पनिक कहानी भी लिखने का अभ्यास कराया जा सकता है।
- आवश्यक नहीं है कि हर बच्चे के साथ वास्तव में कुछ हुआ हो।

2. इस प्रश्न का उत्तर बच्चों द्वारा आसानी से दिया जा सकता है। उनकी मनपसंद मिठाई के बारे में भी बच्चों से पूछा जा सकता है।

पाठ 8. चार मित्र

मौखिक कार्य

(क) 1. बारहसिंघे, चूहे, कछुए और कौए में मित्रता हो गई।
2. कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण शिकारी की पकड़ में आ गया।
3. लेटे हुए बारहसिंघे को देखकर शिकारी ने सोचा कि कछुए के साथ-साथ बारहसिंघा भी उसके हाथ आ गया है।

लिखित कार्य

(ख) 1. चारों मित्र जंगल में प्रसन्नतापूर्वक रहते थे।
2. बारहसिंघा शिकारी के जाल में फँस गया था।
3. कौआ बारहसिंघे को बचाने के लिए चूहे को बुला लाया, जाल काटने के लिए।
4. शिकारी के आने पर चूहा और बारहसिंघा भाग गए और कौआ उड़ गया।
5. बारहसिंघे के भाग जाने पर शिकारी ने कछुए को अपने जाल में फँसा लिया।
6. कौए को बारहसिंघे की आँख कुरेदते देख शिकारी ने उसके मरे होने का अंदाज़ा लगाया।
7. शिकारी के करीब आने पर बारहसिंघा भाग गया और कौआ उड़ गया।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

(घ) 1. कौए ने बारहसिंघे से। 2. कौए ने अपने मित्रों से।
3. शिकारी ने अपने आप से। 4. शिकारी ने अपने आप से।

(ङ) 1. बारहसिंघा, मित्र, कछुआ 2. शिकारी, कौआ 3. भोजन, जंगल

(च) 1. काक 2. दोस्त 3. भगवान 4. खाना 5. नयन 6. खुश

(छ) 1. उसने, अपने 2. मुझे 3. यह 4. उसने, अपनी, अपने 5. मेरे 6. मेरे, यह

(ज) 2. श्व – अश्व 3. न्य – न्याय 4. ल्द – हल्दी 5. स्त – व्यस्त
6. स्व – स्वाभिमान

रचनात्मक कार्य

(झ) इस प्रश्न का उत्तर बच्चे स्वयं दें।
- इससे उनमें व्यक्ति विशेष के गुण पहचानने का कौशल विकसित होगा।
- वे अपने भावों को शब्दों में अभिव्यक्त करना सीखेंगे।

पाठ 9. नन्हा खरगोश

मौखिक कार्य

(क) 1. बनी खरगोश का एक नन्हा-सा बच्चा था।
2. गिलहरी का नाम किट्टी था।
3. तोते का नाम मिट्ठू था।
4. बनी के माता-पिता को किसान के बेटे ने पीटा था।

लिखित कार्य

(ख) 1. जंगल में सभी जानवर एक साथ सुख और शांति से रहते और एक-दूसरे की सहायता करते थे।
2. जब बनी के माता-पिता भोजन की खोज में जाते थे, तब गुलमोहर का पेड़ बनी को छाया देता था। किट्टी गिलहरी उसे हरे पत्ते और गाजर खिलाती और प्रेम से उसकी देखभाल करती थी। मिट्ठू तोता उसके साथ खेलता था।
3. एक दिन बनी के माता-पिता भोजन की तलाश में जंगल से दूर एक खेत में चले गए लेकिन शाम तक वे घर नहीं लौटे। बनी उदास हो गया। वह अपने माता-पिता की इंतजार में रातभर जागता रहा।
4. बनी के पिता ने जानवरों को बताया कि कल वे दूर एक खेत में गए थे। वहाँ वे घास और पौधे खा रहे थे। यह देखकर किसान के लड़के ने उन्हें डंडे से मारा। उन दोनों को बहुत चोट लगी इसीलिए वे रात को वापस न आ सके।
5. बनी ने जब यह सुना कि उसके माता-पिता को एक लड़के ने डंडे से मारा तो उसे उस लड़के पर बहुत गुस्सा आया। उसने प्रण किया कि वह ऐसे बच्चों के साथ कभी नहीं खेलेगा।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

(घ) 2. बातें 3. आँखें 4. बोतलें 5. बहनें 6. पुस्तकें

(ङ) 1. सहायता 2. नरम 3. रात 4. सुबह 5. जंगल 6. पेड़

(च) 1. मिट्ठू, पिट्ठू 2. किट्टी, खट्टी 3. हड्डी, फिसड्डी
4. गड्ढा, बुड्ढा 5. शुद्ध, क्रुद्ध

(छ) 1. जा रहा था 2. हो गई 3. उड़ रहा था 4. चिंतित थे
5. आया 6. लौटे

(ज) 1. तुम 2. वे 3. उसका 4. हम 5. मैं 6. हम

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- केवल अनुमान के आधार पर ही नहीं, यदि सच में उनके साथ ऐसा हुआ तो उसी घटना को लिखें।
- बच्चों से कहें कि वे इस अनुभव को केवल पाँच या सात वाक्यों में लिखें।
- वर्तनी और लेखन का ध्यान भी रखें।

पाठ 10. बंदर की गलती

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. तितली और फूल सभी को प्रिय होते हैं।
   - उनके चित्र कक्षा में लाएँ।
   - बच्चों से जानें कि वे भँवरे और मधुमक्खी के बारे में क्या जानते हैं, क्या वे उनको पसंद करते हैं?
   - सभी बच्चे कारणसहित इसका उत्तर दें।
2. बच्चे इसका उत्तर स्वयं दें।
   - वे कविता भी लिख सकते हैं।
   - अध्यापक/अध्यापिका इसमें बच्चों की सहायता कर सकते हैं।
   - अगर संभव हो तो बाग में ले जाकर बच्चों को तितली दिखाई जा सकती है।
3. बच्चे अपने-अपने जन्मदिन के मनाने की बात बताएँ।
   - सभी एक-दूसरे के विचार जानें।
   - ऐसा करने से वे औरों के विचार जानकर अपने जन्मदिन मनाने के तरीके में कुछ परिवर्तन लाने का प्रयत्न करेंगे।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - रचनात्मकता उभारने के लिए ऐसे अभ्यास कराना आवश्यक है।
   - इससे बच्चों के मनोभावों का पता चलेगा।
5. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से जानकारी प्राप्त करें।
   - प्रत्येक बच्चा अपना परिचय स्वयं दे।
   - वे यह भी बता सकते हैं कि उनके माता-पिता अपने दफ़्तर पहुँचने के लिए किस साधन का प्रयोग करते हैं।
   - वाक्य छोटे हों।
   - अध्यापक/अध्यापिका उनके उच्चारण पर ध्यान दें।
6. अपने मित्र सभी को प्रिय होते हैं।
   - बच्चे अपने मित्र के बारे में लिखें।
   - जो बच्चे वाक्य लिखना चाहते हैं, वे वाक्य लिखें और जो बच्चे कविता लिखना चाहते हैं, वे कविता लिखें।
   - बच्चों को अपने लेख या कविता कक्षा में सुनाने को कहें।
7. बच्चों से चर्चा करें –
   - बच्चे अपने शौक के बारे में बताएँ।
   - वे यह भी बताएँ कि अपने शौक पूरे करने के लिए वे क्या करते हैं।
   - उनके शौक को पूरा करने में उनके माता-पिता का क्या योगदान है।
8. बच्चों को संवाद लेखन का अभ्यास कराएँ।

- संवाद छोटे-छोटे हों तथा बच्चों के स्तर के हों।
- विषय से हटकर न हों।
- बच्चों को कुछ विराम चिह्नों का भी प्रयोग करना सिखाएँ।

(ख) क्रियाकलाप

1. बच्चे चित्र को ध्यान से देखें।
   - सावधानी से रुई या ऊन चिपकाएँ।
   - अपने द्वारा बनाया गया चित्र देख वे आत्मविश्वास का अनुभव करेंगे।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - इससे बच्चों के विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
   - वे अपने सबसे प्रिय मित्रों के चित्र उनमें लगा सकते हैं।
   - इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
3. बच्चे अपने पालतू पशु के बारे में कक्षा में बताएँ।
   - बच्चों की बातों को रुचि के साथ सुना जाए व उन्हें पशुओं के साथ उचित व्यवहार करने की प्रेरणा भी दी जाए।
   - पशु हमारे मित्र होते हैं, यह उन्हें समझाया जाए।
4. कछुआ व खरगोश की कहानी कक्षा में सुनाएँ।
   - बच्चों को बताएँ कि कभी-कभी अधिक आत्मविश्वास भी हमारी हार का कारण बन सकता है।
   - खरगोश यह सोचता था कि वह इतना तेज़ चलता है कि कछुए को वह कभी भी हरा सकता है। अपने लगातार प्रयत्न से कछुआ जीत जाता है।

   इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। बच्चों को बताएँ कि लगातार प्रयत्न करने से कठिन से कठिन कार्य भी आसान हो जाता है तथा मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है।

पाठ 11. शिक्षा बड़ी या धन

मौखिक कार्य

(क) 1. राजा वन में शिकार खेल रहा था।
2. राजा ने बालकों से पूछा कि क्या कहीं से थोड़ा भोजन और जल मिलेगा। मैं बहुत भूखा-प्यासा हूँ।
3. पहले बालक ने कभी दो समय की रोटी नहीं खाई थी और न ही कभी सुंदर वस्त्र पहने थे इसलिए वह राजा से धन चाहता था।
4. दूसरे बालक ने राजा से एक बड़ा-सा बँगला और घोड़ागाड़ी माँगी।
5. तीसरे बालक की शिक्षा समाप्त होने पर राजा ने उसे अपने राज्य में मंत्री के पद पर नियुक्त कर लिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. राजा ने बालकों से भोजन तथा जल माँगा।
2. राजा बालकों से इसलिए प्रसन्न हुआ क्योंकि उन्होंने उसकी सहायता की थी। राजा भूखा था। उसे पानी और भोजन की आवश्यकता थी। बच्चों ने इन चीजों का प्रबंध किया था।
3. राजा तीसरे बालक की इच्छा सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। एक छोटे बच्चे के मन में धन, वैभव का लोभ न देखकर राजा को अच्छा लगा। वह जान गया कि यह बालक कोई साधारण बालक नहीं है।
4. जिस बालक ने धन माँगा था, वह बुद्धिमानी से काम नहीं ले सका। व्यापार में उसका सारा धन डूब गया और वह फिर से निर्धन हो गया।
5. दोनों मित्रों ने अपने विद्वान मित्र से कहा कि उन्होंने राजा से पुरस्कार माँगने में बड़ी भूल की।
6. उसने समझाया कि धन सदा पास नहीं रहता। ज्ञान जीवनभर मनुष्य के काम आता है और उसे कोई चुरा भी नहीं सकता। शिक्षा ही मानव को विद्वान और बड़ा बनाती है, धन नहीं।

(ग) 1. (क) (2) (ख) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. राजा ने बच्चों से 2. पहले बालक ने राजा से 3. दूसरे बालक ने राजा से
4. तीसरे बालक ने राजा से 5. राजा ने पहले बालक से

(ङ) समानार्थी का अर्थ है समान अर्थ वाला।
- बच्चों से मौखिक रूप में इन वाक्यों के बारे में जानें।
- बच्चों की सहायता के लिए कुछ समानार्थी शब्द श्यामपट्ट पर लिख दें।

1. राजा ने वहाँ <u>बच्चों</u> को देखा।
2. वे राजा के लिए <u>पानी</u> ले आए।
3. मैं तुम्हारी <u>मदद</u> करूँगा।
4. राजा बहुत <u>खुश</u> हुआ।
5. मैंने सुंदर <u>कपड़े</u> नहीं पहने हैं।
6. वह <u>उत्तर</u> की प्रतीक्षा करने लगा।
7. क्या आप मेरा <u>स्वप्न</u> पूरा करेंगे?
8. वे तीनों अच्छे <u>दोस्त</u> थे।

(च) 1. थकावट 2. परिश्रमी 3. प्यासा 4. निर्धन 5. दुर्भाग्य 6. नगरवासी

(छ) 2. बुद्धिमान 3. निर्धन 4. शक्तिशाली 5. घोड़ागाड़ी

(ज) 1. खुशी का ठिकाना न रहना
2. साँस रोके खड़ा होना
3. घी के दीये जलाना
4. धन डूब जाना

रुपये-पैसों का नुकसान होना
खुशियाँ मनाना
बेचैनी या उत्सुकता दिखाना
बहुत प्रसन्न होना

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. इस घटना पर बच्चों से कक्षा में चर्चा करें।
- बच्चे अपनी सोच से पाँच या छह वाक्यों में अपने विचार लिखें।
- बच्चों को अच्छे शब्दों का प्रयोग करना बताएँ।
- वाक्य सरल व छोटे हों इसका भी ध्यान रखें।
- अपने स्वप्न से संबंधित एक चित्र भी बच्चे बनाएँ। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

2. पढ़ाई करना कितना ज़रूरी है, बच्चों को समझाएँ तथा उनके विचार भी जानें। पढ़ाई में रुचि कैसे जगाई जा सकती है, इसपर भी चर्चा करें।

पाठ 12. बचपन

मौखिक कार्य

(क) 1. गांधी जी का बचपन सुदामापुरी में बीता।
2. गांधी जी का स्वभाव संकोचशील था।
3. सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र का दुख देखकर गांधी जी बार-बार रोए।
4. अपने विद्यार्थी जीवन में गांधी जी सोचा करते थे कि सभी लोग श्रवण के समान माता-पिता के आज्ञाकारी और हरिश्चंद्र के समान सत्यवादी क्यों नहीं हो जाते!

लिखित कार्य

(ख) 1. अपने साथ के बालकों से गांधी जी ने शिक्षकों की हँसी उड़ाना-भर सीखा।
2. गांधी जी बड़े संकोची स्वभाव के थे इसलिए उन्हें सदा भय बना रहता था कि कोई उनकी हँसी न उड़ाए।
3. शिक्षक गांधी जी को सामने वाले लड़के की नकल करके अपने शब्द की वर्तनी ठीक करने का इशारा कर रहे थे।
4. गांधी जी को 'श्रवण पितृ भक्ति नाटक' नामक पुस्तक ने प्रभावित किया।
5. हरिश्चंद्र की कथा के नाटक ने गांधी जी के मन पर गहरी छाप छोड़ी।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख)

(घ) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(ङ) 2. शिक्षक 3. सत्यवादी 4. आज्ञाकारी

(च) 2. पढ़ी 3. बोली 4. दुखी 5. सुखी 6. झूठी

रचनात्मक कार्य

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें–
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को गांधी जी के अन्य गुणों के बारे में बताएँ यथा– समय पालन और दृढ़ निश्चय।
- बच्चों से अपने गुण-दोषों को पहचानने के लिए कहें।
- बच्चों को अच्छी आदतों को बढ़ावा देने वाली बातें बताएँ।
- उन्हें खुलकर चर्चा में शामिल होने का अवसर व प्रोत्साहन दें।

पाठ 13. कूड़ा मत फैलाओ

मौखिक कार्य

(क) 1. नीना के घर के आगे नाला था।
2. बारिश नाले का कूड़ा घरों में ले आई।
3. गंदगी फैलाने से बीमारियाँ फैल जाती हैं।
4. डेंगू से परेशान होकर बच्चे-बूढ़े अस्पताल दौड़े।

लिखित कार्य

(ख) 1. लोग नाले में कूड़ा-कचरा, टूटे खिलौने व बासी खाना फेंक देते थे।
2. एक दिन ज़ोर की बारिश आई। चूँकि नाला कूड़े से भरा था इसलिए पानी को बहकर जाने की जगह नहीं मिली। पानी नाले में गया और अपने साथ कूड़ा बहाकर घरों में ले आया।
3. गंदगी अधिक होने से डेंगू की बीमारी फैल गई इसलिए लोगों को अस्पताल जाना पड़ा।
4. कूड़ा न फैलाने में समझदारी है।
5. गंदगी अगर साफ़ कर दी जाए तो बीमारी भी दूर रहेगी।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (क)

(घ) कविता की पंक्तियाँ बच्चे स्वयं पूरी करें। बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें।

(ङ) 2. बात–रात 3. नाला–पाला 4. चूहेदान–कूड़ेदान 5. आई–लाई 6. साफ़–माफ़

(च) 1. बारिश 2. अस्पताल 3. बीमारी 4. कूड़ा

(छ) 1. नाला–पुल्लिंग 2. गंदगी–स्त्रीलिंग 3. बच्चे–पुल्लिंग 4. बीमारी–स्त्रीलिंग

(ज) 2. रखो 3. बहा 4. गए 5. किया

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों से इस बारे में चर्चा करें। हम बीमार पड़ने पर अस्पताल जाते हैं। प्राथमिक चिकित्सा के बारे में भी बच्चों को बताएँ।
2. बच्चे सोचकर इसपर अपने विचार व्यक्त करें।
- कूड़ा इकट्ठा हो जाना। गंदगी का बढ़ जाना। बीमारी फैल जाना।
- जीवन का आनंद समाप्त हो जाना।
- बच्चों को पाँच पंक्तियाँ लिखने को कहें।

पाठ 14. दो तोते

मौखिक कार्य

(क) 1. तोते का जोड़ा जंगल में एक घने पेड़ पर रहता था।
2. हीरा-मोती के माता-पिता भोजन की तलाश में कहीं गए हुए थे।
3. हीरा-मोती को घोंसले में न पाकर उनके माता-पिता उदास होकर उन्हें ढूँढ़ने निकल पड़े।
4. बरगद के पेड़ के नीचे से भागकर राहगीर रास्ते के किनारे लगे आम के पेड़ के नीचे जाकर आराम करने लगा।

लिखित कार्य

(ख) 1. हीरा-मोती को भोजन उनके माता-पिता खिलाते थे।
2. शिकारी ने हीरा को एक नेक और सज्जन व्यक्ति के हाथों बेचा और मोती को एक दुष्ट व्यक्ति के हाथों।
3. हीरा सज्जन व्यक्ति के यहाँ रहकर अच्छी-अच्छी बातें सीखने लगा।
4. मोती ने गालियाँ देना इसलिए सीखा क्योंकि वह दुष्ट व्यक्ति की संगति में रह रहा था।
5. राहगीर जब बरगद के पेड़ की छाया में बैठकर सुस्ताने लगा तो ऊपर घोंसले में बैठा मोती चिल्ला पड़ा, "इसे लूट लो। इसके पास ढेरों पैसे हैं।"
6. राहगीर को देखकर हीरा बोल पड़ा, "अरे, कोई इन्हें पानी पिलाओ। बेचारे कितने प्यासे हैं!"

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. हीरा 2. मोती 3. बरगद 4. आम 5. राहगीर

(ङ) 1. गए 2. लगे 3. बुझाई 4. खरीदा

(च) 1. विशेषण 2. भाववाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा 4. भाववाचक संज्ञा 5. भाववाचक संज्ञा 6. विशेषण

(छ) 1. तलाश 2. शिकारी 3. लुटेरा 4. दुष्ट 5. दृष्टि 6. प्रभाव

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. जानवरों का शिकार करना बुरी बात है, इस पर बच्चों के विचार जानें। अगर धरती पर जानवर नहीं होंगे तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। बच्चों को इस बारे में विस्तार से समझाया जाना चाहिए।
2. बच्चे अपनी कल्पना से इस प्रश्न का उत्तर दें।
- तुम उसे पिंजरे में रखना चाहोगे या आज़ाद करना।
- तुम तोते को क्या-क्या सिखाना चाहोगे?
- बच्चे इस बारे में अपने सुझाव अभिव्यक्त करें।

पाठ 15. नेताजी बोस

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपने जीवन में क्या बनना चाहते हैं और क्यों, उसके बारे में लिखें।
   - जीवन में आगे बढ़ने के लिए उन्हें क्या-क्या करना होगा, यह भी बताएँ।
2. प्रश्न पर कक्षा में चर्चा करें।
3. बच्चों को सफ़ाई के बारे में समझाएँ।
   - विद्यालय में सफ़ाई अभियान चलाया जाए।
   - हर काम के लिए एक बच्चे को मॉनिटर बनाया जाए।
   - हर प्रकार से स्कूल को साफ़ रखने का उपाय किया जाए।
   - बच्चों से कहें कि कुछ अच्छे नारे भी तैयार करें।
4. 'सफ़ाई हमारे लिए आवश्यक है।'– इस विषय पर हर बच्चा अपने विचार व्यक्त करे।
   - सफ़ाई रखने से क्या-क्या होता है, यह बताएँ।
   - सफ़ाई अभियान चलाने से क्या होगा, यह भी बताएँ।
   - बच्चों को बेहतर भाषा में अपने विचार अभिव्यक्त करना सिखाएँ।
5. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - बच्चों को सफ़ाई के बारे में समझाएँ।
   - उन्हें सफ़ाई के लाभ व गंदगी की हानियाँ बताएँ।
6. बच्चों को आज़ादी का अर्थ स्पष्ट करें।
   - पक्षियों के बारे में चर्चा करें।
   - बच्चों में दया के भाव विकसित होने दें।
   - उन्हें जीव-जंतुओं के प्रति भी संवेदनशील बनने दें।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - उन्हें कल्पना करने दें। - विचार अभिव्यक्त करने दें।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों में आत्मविश्वास आएगा।
   - पाठ को दोहराने के लिए यह क्रियाकलाप कक्षा में कराएँ।
   - पाठ का अंश पढ़ते समय बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
   - प्रश्न सही पूछ रहे हैं या नहीं, इसका भी ध्यान दें।
2. बच्चों के मन में सफ़ाई के प्रति जागृति पैदा करें।
   - बच्चे अपने स्कूल की दूसरी कक्षाओं में जाकर उन्हें सफ़ाई के लिए प्रेरित करें।
   - इस कार्य में अध्यापक/अध्यापिका भी बच्चों को सहयोग दें।
3. इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- बच्चे अपने माता-पिता के साथ किसी गाँव जाएँ। आजकल गाँव भी शहरों में बदल रहे हैं।
- वहाँ के कुछ चित्रों का भी वे संकलन करें।
- वहाँ के रहन-सहन की जानकारी प्राप्त करें।
- इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

4. बच्चों के साथ चर्चा में शामिल हों।
   - शिक्षा के लाभ बताएँ।
   - अशिक्षा और अज्ञान की हानियाँ बताएँ।
   - शिक्षा के मौलिक अधिकार के बारे में बताएँ।
5. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. घमंड का फल

मौखिक कार्य

(क) 1. दूर-दूर तक कच्छ का रेतीला रेगिस्तान फैला हुआ था।
2. एक नन्हा-सा बीज पानी के साथ बहकर आया।
3. झाड़ियों ने बरगद को समझाने की कोशिश की।

लिखित कार्य

(ख) 1. कच्छ के रेगिस्तान में जहाँ तक नज़र जाती, केवल छोटी-छोटी कँटीली झाड़ियाँ दिखाई पड़ती थीं। कोई बड़ा पेड़ नज़र नहीं आता था।
2. हवाएँ झाड़ियों से कहतीं, "तुम्हारे प्रदेश में तो एक भी ऐसा वृक्ष नहीं जिसकी शीतल छाया में राहगीर चैन की साँस ले सकें, जिसकी डालियों में पक्षी घोंसले बनाकर चहचहा सकें।"
3. एक दिन कहीं से बरगद का एक नन्हा-सा बीज बहता हुआ आया और धरती में चला गया। कुछ ही दिनों में झाड़ियों वाले मैदान में एक पौधा उग आया।
4. राहगीर उसकी छाया में बैठकर आराम करने लगे। तरह-तरह के पक्षियों ने पीपल की डालियों पर सुंदर-सुंदर घोंसले बनाए।
5. बरगद अकड़ने लगा। पक्षियों के घोंसले को भी वह गिरा देता था।
6. धरती ने भी उसकी जड़ों से अपनी पकड़ हटा ली और घमंडी बरगद क्षणभर में उखड़कर दूर जा गिरा।
7. हमें कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 3. 4. 1. 6. 2. 5.

(ङ) 1. घोंसला 2. शीतल 3. शुरू 4. वृक्ष 5. घमंड 6. परिणाम

(च) बच्चों को एक और अनेक से फिर परिचित कराएँ।
- बच्चे पिछली कक्षाओं में वचन-भेद जान चुके हैं।
2. एकवचन 3. एकवचन 4. बहुवचन

(छ) 2. रेतीला रेगिस्तान 3. कँटीली झाड़ियाँ 4. नन्हा पौधा 5. बड़ा पेड़ 6. शीतल छाया

रचनात्मक कार्य

(ज) इन प्रश्नों से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
1. बच्चे अपनी सोच से उत्तर दें।
- बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करें।
- पेड़ हमारे लिए कितने आवश्यक हैं, यह बताएँ।
- प्रदूषण को दूर करने वाले ये पेड़ जीवनदाता हैं, उन्हें यह बात समझाएँ।

- बच्चों को अपने स्कूल के मैदान में ले जाएँ। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

2. घमंड करना बुरी बात है। बच्चों को इससे अवगत कराएँ। कोई उदाहरण दिया जा सकता है।

पाठ 17. आलसी चिंपू

मौखिक कार्य

(क) 1. चिंपू आलसी लड़का था।
2. चिंपू ने चिड़िया और तितली से खेलने की बात की।
3. चिंपू चिड़िया के पीछे बाग तक गया।

लिखित कार्य

(ख) 1. चिंपू आलसी होने के कारण देर तक सोता था, नहाता भी नहीं था। अपने बाल, हाथ, नाखून, कपड़े आदि भी साफ़ और व्यवस्थित नहीं रखता था।
2. चिंपू के गंदे कपड़ों और बिखरे बालों के कारण चिड़िया ने उसके साथ खेलने से मना कर दिया।
3. चिंपू के मुँह से आ रही बदबू के कारण तितली ने भी उसके साथ खेलने से इनकार कर दिया।
4. बंदर ने नीम की टहनी से दातुन करने और नीम के पत्तों को पानी में उबालकर, उससे नहाने के लिए कहा। इन उपायों से शरीर को साफ़ और सुंदर बनाया जा सकता है।
5. चिंपू ने सफ़ाई की ओर ध्यान देने का पक्का निश्चय कर लिया।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख)

(घ) 1. देर 2. आलसी 3. मुँह 4. पत्थर

(ङ) 2. खेलोगी 3. कहकर, उड़ गई 4. मँडरा रही थीं 5. चली जाएगी

(च) 2. लड़कियाँ 3. खिड़कियाँ 4. उँगलियाँ 5. टहनियाँ 6. गिलहरियाँ

रचनात्मक कार्य

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

- इससे वे अपने परिवेश की क्रियाशीलता का ध्यानपूर्वक अवलोकन करना सीखेंगे।
- बच्चों को आलस छोड़कर स्फूर्तिवान बनने की प्रेरणा मिलेगी।
- बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- वे अपनी बात को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।

पाठ 18. दुष्टता का परिणाम

मौखिक कार्य

(क) 1. दरहान शहर मंगोलिया देश में है।
2. नंबारीन का स्वभाव दोनों मित्रों में अच्छा था।
3. सभी जानवर राजकुमारी की बीमारी के बारे में चर्चा कर रहे थे।

लिखित कार्य

(ख) 1. एक का नाम नंबारीन था और दूसरे का नाम संजाबयार था।
2. नंबारीन विनम्र था तथा सबसे मुसकराकर बात करता था लेकिन संजाबयार का व्यवहार दूसरों के प्रति रूखा था।
3. नंबारीन ने चट्टान पर चढ़कर फल तोड़े और संजाबयार को पकड़ा दिए।
4. नंबारीन गिद्ध के साथ उड़कर महल के पीछे जा बैठा जहाँ शेर, भेड़िये, लोमड़ी आदि पहले से मौजूद थे। वे राजकुमारी की बीमारी के बारे में चर्चा कर रहे थे।
5. शेर ने बताया कि यदि कोई राजकुमारी के कान के नीचे गर्म पानी रखकर ज़ोर-ज़ोर से डमरू बजाए तो सारी मकड़ियाँ अपने-आप बाहर निकलकर भाग जाएँगी।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 2. 5. 1. 3. 4.

(ङ) 1. मकड़ियाँ 2. भेड़िये 3. चट्टानें 4. लोमड़ियाँ 5. पंजे
6. राजकुमारियाँ

(च) 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. भाववाचक संज्ञा 3. जातिवाचक संज्ञा
4. जातिवाचक संज्ञा

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. संजाबयार दुष्ट प्रकृति का व्यक्ति था।
- वह अपने मित्र के साथ कैसा व्यवहार कर सकता था, इस विषय पर चर्चा करें।
- उत्तर लिखते समय उनके पास बहुत से विचार होंगे।

2. बच्चों को अपने मित्रों से इस संबंध में बात करने को कहें। इस प्रश्न का उत्तर देने से बच्चों में चारित्रिक गुणों का विकास होगा।

पाठ 20. हमारा भारत

मौखिक कार्य

(क) 1. हमारा देश सुख की खान है।
2. हमारा देश शांति का संदेश देता है।
3. हमारा देश सत्य-अहिंसा का पाठ सिखलाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. हरे-भरे मैदानों से कवि भारत की खुशहाली तथा यहाँ की उर्वरा भूमि की ओर संकेत कर रहा है।
2. हमारे भारत देश में अनेक ऐसे वीर हुए हैं जिन्होंने अपने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की कुर्बानी दे दी। यह देश वीरों का देश है अतः कवि ने भारत देश को वीर कहा है।
3. भारत देश सभी को शांति का संदेश देता है। सभी को अपनापन देता है। दूसरों को कुछ देने की भावना के कारण कवि भारत देश को धनवान बता रहा है।
4. भारत देश सभी के दुखों को दूर करता है, इसलिए उसे बलवान कहा गया है तथा सत्य-अहिंसा जैसे अच्छे गुणों को दूसरों तक पहुँचाने के कारण भारत को गुणवान कहा गया है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) 1. सर्वनाम 2. संज्ञा 3. क्रिया 4. विशेषण

(ङ) 1. सुखों 2. अच्छा 3. अहिंसा 4. दुखी

रचनात्मक कार्य

(च) 1. इस प्रश्न का उत्तर सोचकर लिखने से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चे कविता पर आधारित कुछ बिंदु लिखें।
- भारत के बारे में अध्यापक/अध्यापिका उन्हें बताएँ।
- बच्चों को बताएँ कि भारत को सोने की चिड़िया क्यों कहा जाता था।

2. इस प्रश्न का उत्तर देने में बच्चों की मदद करें।

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि से बच्चों की विचारों को अभिव्यक्त करने की कला को बढ़ावा मिलेगा।
- घमंड के दुर्गुण पर बच्चे अपने विचार बताएँ।
- बच्चे अपने दोस्तों के विचार भी जानें तथा एक-दूसरे से कुछ सीखें।

2. घमंड करने से क्या हानियाँ हो सकती हैं तथा घमंड न करने से क्या लाभ हो सकते हैं। इसपर चर्चा करें। बच्चे अपने-अपने विचार प्रस्तुत करें।
3. इस विषय पर बच्चे अपने विचार लिखें।
   - हमें आलस करना चाहिए या नहीं?
   - आलस के दुर्गुण को किस प्रकार दूर करना चाहिए?
4. बच्चे अपने आप लिखें कि वे कैसे व्यक्तियों का आदर करते हैं।
   - उनके विचारों को सुनें और उन्हें बेहतर बनाकर श्यामपट्ट पर लिखें।
5. बच्चे 'हमारे पेड़-पौधे' एकांकी को आधार मानकर या किसी अन्य घटना या कहानी का उदाहरण देते हुए अपनी बात स्पष्ट करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका भी बच्चों को कुछ उदाहरण सुनाएँ।
   - बच्चे अभी अपने विचारों को बहुत अच्छे से स्पष्ट नहीं कर सकते ना ही उनके पास अपने विचार हैं अत: उन्हें मार्गदर्शन दें।
6. बच्चे कविता पढ़कर भारत के बारे में जान गए हैं।
   - उन्हें भारत की अन्य विशेषताओं से अवगत कराएँ।
   - बच्चों से चर्चा कर कुछ वाक्य श्यामपट्ट पर लिखें ताकि उन्हें सहायता मिल सके।

(ख) क्रियाकलाप

1. इसे शब्द कड़ी कहते हैं।
   - पहले मौखिक रूप में बच्चों से यह क्रियाकलाप करवाएँ।
   - पहला बच्चा एक शब्द बोले। बोले गए शब्द के अंतिम वर्ण से दूसरा बच्चा नया शब्द बोले।
   - अध्यापक/अध्यापिका इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखते चले जाएँ।
   - शब्द कड़ी का निर्माण हो जाएगा।
   - बच्चों से ऐसी ही शब्द कड़ी का निर्माण करने को कहें।
2. स्कूल में कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जो बात-बात पर अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ ऐसे बच्चों के नाम बच्चे लिखें।
   - उन बच्चों से दोस्ती करें तथा उन्हें अच्छी बात सिखाएँ।
   - इस प्रकार बच्चे खुद भी अच्छी बातें सीखेंगे।
3. इस गतिविधि से बच्चों को अपने दैनिक जीवन के विषय में सोचने का अवसर मिलेगा तथा व्यावहारिक उत्तर देने का अभ्यास होगा। बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
4. बच्चे अखबार या पुरानी पत्रिका से ये चित्र इकट्ठे कर सकते हैं।
   - चित्रों को पहचानना तथा उनके नाम से परिचित होना भी ज्ञानवर्धन के लिए आवश्यक है।